बी.एस.के.एफ.–001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2025 तथा जनवरी, 2026 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.के.एफ.–001
संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.डी.पी./बी.एस.के.एफ.–001

प्रिय छात्र/छात्राओ!

'संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरभं करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

   अनुक्रमांक : .....

   नाम : .....

   पता : .....

   .....

   पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

   सत्रीय कार्य कोड : .....

   अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

   दिनांक : .....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :
जुलाई 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026
जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं।
उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

1. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
2. **विशेष** : अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : बी.डी.पी./बी.एस.के.एफ.–001
अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सन्धिविच्छेद कर, सन्धि का नाम लिखिए : 05 अंक
   (क) विद्यालयः
   (ख) रामोऽवदत
   (ग) देवर्षिः
   (घ) महौषधिः
   (ङ) जगन्नाथः

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100–125 शब्दों में दीजिए: 25 अंक
   (क) वर्णोच्चारण की प्रक्रिया में अभ्यान्तर प्रयत्न और बाह्य प्रयत्न को स्पष्ट कीजिए।
   (ख) शब्द और पद में अंतर बताते हुए शब्द के चार भागों का वर्णन कीजिए।
   (ग) 'प्रत्याहार सूत्र' का तात्पर्य तथा प्रयोजन लिखिए।
   (घ) आचार्य मम्मट के काव्य लक्षण की व्याख्या कीजिए।
   (ङ) समाचार की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. समास किसे कहते हैं? समास के प्रकारों को उदाहरण सहित लिखिए। 10 अंक

4. निम्नलिखित पद्य का अन्वय सहित अर्थ लिखिए : 05 अंक
   ''अद्य प्रभृत्यवनताङ्गि तवास्मि दासः क्रीतस्तपोभिरीति वादिनि चन्द्रमौलौ।
   अह्नाय सा नियमजं क्लममुत्ससर्ज, क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधते।।''

5. यक्ष–युधिष्ठिर संवाद का महत्व लगभग 200–250 शब्दों में लिखिए। 10 अंक

6. निम्नलिखित गद्यांश को सन्दर्भ सहित व्याख्या लगभग 200–250 शब्दों में कीजिए: 10 अंक
   ''अभिजातमहिमिव लङ्घयति। शूरं कण्टकमिव परिहरति। दातांर दुःस्वप्नमिव न स्मरति।
   विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति।''

7. निम्नलिखित सूक्ति के भाव को संस्कृत भाषा में 50–60 शब्दों में स्पष्ट कीजिए: 05 अंक
   ''अल्पानामपि वस्तूनां संहितः कार्यसाधिका''

8. आयुर्वेद किसे कहते हैं? आयुर्वेद की उत्पति पर 200–250 शब्दों में लेख लिखिए। 10 अंक

9. ''संस्कृत भाषायाः स्वरूपम्'' विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए। 05 अंक

10. संस्कृत के प्रथम नाटककार कौन थे? उनकी भाषा शैली पर प्रकाश डालिए। 10 अंक

11. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 05 अंक
    (क) तुमने यहाँ क्या देखा?
    (ख) युधिष्ठिर जंगल गए।
    (ग) हम दोनों को विद्यालय जाना चाहिए।
    (घ) वह कल घर गया।
    (ङ) छात्र विद्यालय में पढ़ते थे।